वैश्विक शांति सूचकांक (GPI)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में जारी वैश्विक शांति सूचकांक **2025 में भारत को 115वाँ स्थान मिला है, जबकि आइसलैंड** सबसे शांतिपूर्ण देश के रूप में **शीर्ष स्थान पर** बना हुआ है।

मुख्य बिंदु

- **वैश्विक शांति सूचकांक के बारे में:**
  - इसे प्रतिवर्ष ??स्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस द्वारा जारी किया जाता है। इसमें 23 संकेतकों के आधार पर देशों को रैंक प्रदान की जाती है, जिनमें सैन्यीकरण, बाह्य संघर्ष, हत्या और आतंकवाद जैसे संकेतक शामिल हैं।
  - वैश्विक शांति सूचकांक 2025 में 163 देशों का विश्लेषण किया गया, जो विश्व की 99.7% जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं।
  - इस सूचकांक के अनुसार, **राज्य-आधारित संघर्षों की संख्या द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुँच गई है** तथा वर्ष 2025 में नए संघर्ष भी उभरे हैं
- **रैंकिंग 2025:**
  - आइसलैंड, आयरलैंड तथा न्यूज़ीलैंड को विश्व के सर्वाधिक शांतिपूर्ण देशों में स्थान प्राप्त हुआ है। **आइसलैंड वर्ष 2008 से शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।**
  - रूस, यूक्रेन, सूडान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य तथा यमन को सबसे कम शांतिपूर्ण देशों में शामिल किया गया है।
  - **शीर्ष 10 में सिंगापुर एकमात्र एशियाई देश** है, जो अत्यधिक सैन्य व्यय के बावजूद उच्च सुरक्षा स्तर बनाए हुए है।
  - भारत को 115वाँ स्थान प्राप्त हुआ है (वर्ष 2024 में 116वाँ), जबकि पाकिस्तान 144वें स्थान पर है, जो दोनों देशों के बीच सुरक्षा स्तर में महत्त्वपूर्ण अंतर को दर्शाता है।
- **विश्व के 10 सर्वाधिक शांतिपूर्ण देश**

रैंक	देश
1	आइसलैंड
2	आयरलैंड
3	न्यूज़ीलैंड
4	ऑस्ट्रिया
5	स्विट्ज़रलैंड
6	सिंगापुर
7	पुर्तगाल
8	डेनमार्क
9	स्लोवेनिया
10	फिनलैंड

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/global-peace-index-gpi